Updated on 23.02.2023

UNIVERSITY OF DELHI

CNC-II/093/1(22)/2022-23/245
Dated: 31.10.2022

N O T I F I C A T I O N

Sub: Amendment to Ordinance V

[E.C Resolution No. 18-1-13 dated 18.08.2022]

Following addition be made to Appendix-II-A to the Ordinance V (2-A) of the Ordinances of the University;

Add the following:

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AECs)
UNDER
UGCF-2022
LISTED UNDER APPENDIX-II-A TO THE ORDINANCE V (2-A) OF THE ORDINANCES OF THE UNIVERSITY
(With effect from Academic Year 2022-23)

{Environmental Science: Theory to Practical (Course 1) and any chosen Indian Language (Course 1) from AEC Pool shall be studied in flip mode in Semester 1 and Semester II. Similarly, Environmental Science: Theory to Practical (Course 2) and Course 2 of the Same Language as chosen in First Year shall be studied in flip mode in Semester III and Semester IV}

FOLLOWING ARE THE SYLLABI OF POOL OF ABILITY ENHANCEMENT COURSES OFFERED UNDER UGCF-2022 IN FIRST YEAR

DEPARTMENT OF PUNJABI

ABILITY ENHANCEMENT COURSE -1 - PUNJABI BHASHA DA MUDHLA PADHAR

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		

ABILITY ENHANCEMENT COURSE
Offered by
DEPARTMENT OF HINDI

AEC 1:हिन्दी भाषा: सम्प्रेषण और संचार (हिन्दी क)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
हिन्दी भाषा: सम्प्रेषण और संचार	**02**	**2**	--	---	**हिंदी - क** (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी - क** (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Learning Objectives)

- सम्प्रेषण के स्वरूप और सिद्धांतों से विद्यार्थियों को परिचित कराना
- सम्प्रेषण के विभिन्न माध्यमों की जानकारी देना
- प्रभावी सम्प्रेषण का गुण विकसित करना
- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा कौशल को बढ़ावा देना
- संचार माध्यमों के लिए लेखन कौशल का विकास

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Learning outcomes)

- संप्रेषण की अवधारणा और प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे
- संप्रेषण की तकनीक और कार्यशैली की बहुआयामी समझ का विकास
- प्रभावी सम्प्रेषण करना सीखेंगे

- पत्र-लेखन, प्रतिवेदन, अनुच्छेद लेखन की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे
- मीडिया के विविध रूपों के लिए लेखन करना

SYLLABUS OF AEC-1

इकाई 1: सम्प्रेषण: सामान्य परिचय (1-7 सप्ताह)

- सम्प्रेषण की अवधारणा
- सम्प्रेषण की प्रक्रिया
- सम्प्रेषण के विविध आयाम
- सम्प्रेषण और संचार

इकाई 2 : सम्प्रेषण और संचार के विविध रूप (8-15 सप्ताह)

- सम्प्रेषण के प्रकार
- सर्वेक्षण आधारित रिपोर्ट तैयार करना संभावित विषय: (कोरोना और मानसिक स्वास्थ्य, जागरूकता संबंधी अभियान, कूड़ा निस्तारण योजना)
- अनुच्छेद लेखन, संवाद लेखन, डायरी लेखन
- ब्लॉग लेखन, सम्पादकीय लेखन

सहायक पुस्तकें :

1. नए जनसंचार माध्यम और हिन्दी: सुधीश पचौरी, अचला शर्मा
2. सूचना और सम्प्रेषण: तकनीकी की समझ: स्मिता मिश्र
3. सम्प्रेषण: चिन्तन और दक्षता: मंजु मुकुल
4. संवाद पथ पत्रिका: केन्द्रीय हिन्दी संस्थान
5. हिन्दी का सामाजिक सन्दर्भ: रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
6. सम्प्रेषणपरक व्याकरण: सिद्धांत और स्वरूप: सुरेश कुमार

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक : 50
- लिखित परीक्षा : 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन: 12 अंक

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

AEC 2:हिंदी औपचारिक लेखन (हिन्दी ख)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
हिंदी औपचारिक लेखन	**02**	**2**	--	---	**हिंदी** - ख (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी** - ख (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	हिन्दी

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और लेखन-कौशल को बढ़ावा देना
- कार्यालयी और व्यावसायिक हिंदी की समझ विकसित करना
- हिंदी भाषा दक्षता और तकनीक के अंतः संबंध को रेखांकित करना
- कार्यालयों में व्यावहारिक कार्य के विभिन्न पक्षों से अवगत कराना
- हिन्दी प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क आधारित विश्लेषण और लेखन पर बल

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी कार्यालयी और व्यावसायिक हिंदी की विशेषताओं से परिचित होंगे

● कार्यालयों में होने वाले व्यावहारिक कार्य का ज्ञान
● सूचना के अधिकार के लिए लेखन करना सकेंगे
● मार्केट सर्वेक्षण हेतु प्रश्नावली का निर्माण तथा उसका विश्लेषण करना जानेंगे
● विद्यार्थी टिप्पण, प्रारूपण, प्रतिवेदन, विज्ञप्ति तैयार करना सीख सकेंगे

SYLLABUS OF AEC-2

इकाई- 1: लेखन दक्षता का विकास (1-7 सप्ताह)

- कार्यालयी हिंदी
- व्यावसायिक हिंदी
- टिप्पण और प्रारूपण : सामान्य परिचय
- प्रतिवेदन और विज्ञप्ति का महत्व

इकाई- 2: औपचारिक लेखन के प्रकार (8-15 सप्ताह)

- स्ववृत्त लेखन
- सूचना के अधिकार के लिए लेखन
- कार्यालयी और व्यावसायिक पत्र लेखन
- किसी व्यावसायिक कार्यक्रम के संदर्भ में प्रेस विज्ञप्ति तैयार करना

सहायक पुस्तकें:

1. प्रयोजनमूलक और कार्यालयी हिन्दी: कृष्णकुमार गोस्वामी
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका: कैलाशचन्द्र पाण्डेय
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी: सिद्धांत और प्रयोग: दंगल झाल्टे
4. प्रशासनिक हिन्दी: हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन
5. राजभाषा हिदी और उसका विकास: हीरालाल बाछोतिया, किताबघर प्रकाशन

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक : 50
- लिखित परीक्षा : 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन: 12 अंक

AEC 3 :सोशल मीडिया और ब्लॉग लेखन (हिन्दी ग)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
सोशल मीडिया और ब्लॉग लेखन	**02**	**2**	--	---	**हिंदी** - ग (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी** - ग (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	हिन्दी

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

- हिंदी सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों की जानकारी
- सोशल मीडिया की कार्यशैली की समझ
- सोशल मीडिया के महत्व और प्रभाव से मूल्यांकन
- ब्लॉग बनाना और लेखन
- सोशल मीडिया का व्यावहारिक ज्ञान

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcomes):

- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की जानकारी मिलेगी।
- सोशल मीडिया की कार्य-शैली की समझ विकसित होगी।
- ब्लॉग लेखन करने के साथ हिंदी के प्रमुख ब्लॉगों का अध्ययन और विश्लेषण कर सकेंगे।
- सोशल मीडिया के महत्व और उसकी भूमिका को रेखांकित कर सकेंगे।

- विद्यार्थी सोशल मीडिया पर कार्य करना सीख सकेंगे

SYLLABUS OF AEC-3

इकाई 1. सोशल मीडिया और ब्लॉग

- सोशल मीडिया : अर्थ और परिभाषा
- सोशल मीडिया का प्रभाव और महत्व
- सोशल मीडिया के प्रकार (विकीपीडिया, ब्लॉग, सोशल नेटवर्किंग साइट्स, ट्विटर,यूट्यूब,इन्स्टाग्राम आदि)
- ब्लॉग लेखन: सामान्य परिचय

इकाई 2: सोशल मीडिया का व्यावहारिक पक्ष

- किसी सामाजिक अभियान के प्रचार के लिए सोशल मीडिया हेतु एक विज्ञापन तैयार करना
- अपना निजी ब्लॉग तैयार करने की प्रक्रिया
- सोशल मीडिया से बनने वाली किसी खबर पर रिपोर्ट तैयार करना
- सोशल मीडिया से सम्बन्धित विविध विषयों पर आलेख तैयार करना

सहायक पुस्तकें :

1.सामाजिक मीडिया और हम: रवीन्द्र प्रभात, नोशन प्रेस
2.सोशल मीडिया: स्वर्ण सुमन, हार्पर कॉलिन्स पब्लिशर इण्डिया
3.भूमंडलीकरण और मीडिया: कुमुद शर्मा
4.मीडिया और हिन्दी: बदलती प्रवृतियाँ: रविन्द्र जाधव, वाणी प्रकाशन
5.रेडियो लेखन, मधुकर गंगाधर, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना, प्रथम संस्करण- 1974
6.रेडियो वार्ता शिल्प, सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम प्रकाशन- 1992

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक : 50
- लिखित परीक्षा : 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन: 12 अंक